# दिल्ली कम्युनिके 2026: हिंद महासागर में भारत की अगुवाई

**समाचार-संदर्भ: 27 नवंबर 2026**

प्रकाशन: 28 नवंबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, क्षेत्रीय संगठन



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

1. खबरों में क्यों
2. परिचय
3. 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक: प्रमुख परिणाम
4. महासागर विजन और भारत की भूमिका
5. आगे की राह
6. मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न
7. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
8. स्रोत

## खबरों में क्यों

नई दिल्ली में आईओआरए (IORA) मंत्रिपरिषद की 25वीं बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने की। 23 सदस्य देशों के विदेश मंत्री और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख, 12 संवाद साझेदार (Dialogue Partners) तथा विशिष्ट एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के समापन पर ‘दिल्ली कम्युनिके 2026’ अपनाया गया, और भारत ने संगठन की संस्थागत क्षमता के लिए 5 लाख डॉलर (500,000 डॉलर) की अनुदान राशि की घोषणा की। इससे एक दिन पहले, 27 नवंबर को, प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से मुलाकात कर ‘महासागर’ (MAHASAGAR) विजन को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

## परिचय

**आईओआरए (IORA)** यानी इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (हिंद महासागर रिम एसोसिएशन) हिंद महासागर के तटीय देशों का शीर्ष अंतर-सरकारी मंच है। इसकी स्थापना **1997** में हुई थी और इसका सचिवालय **मॉरीशस** में है। भारत इसका संस्थापक सदस्य है और इस समय इसकी **अध्यक्षता** कर रहा है। संगठन का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, व्यापार, समुद्री सहयोग और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। **संवाद साझेदार** वे देश हैं जो सदस्य नहीं होते, पर संगठन की गतिविधियों में भागीदारी करते हैं।

संबंधित लेख: **कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव: हिंद महासागर में साझा सुरक्षा का मंच**

## 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक: प्रमुख परिणाम

- **अध्यक्षता और सहभागिता:** बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने की। इसमें 23 सदस्य देशों के विदेश मंत्री/प्रतिनिधिमंडल प्रमुख, 12 संवाद साझेदार और आईओआरए की विशिष्ट एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्रियों ने हिंद महासागर क्षेत्र को केंद्र में रखकर क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचार साझा किए और आईओआरए की आगामी **कार्ययोजना 2028-2032** पर विचार-विमर्श किया।
- **दिल्ली कम्युनिके 2026:** बैठक के अंत में 'दिल्ली कम्युनिके 2026' अपनाया गया, जो शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर के प्रति सदस्य देशों की प्रतिबद्धता दर्शाता है। **कम्युनिके** का अर्थ है किसी बैठक के बाद जारी किया गया साझा औपचारिक विज्ञप्ति-दस्तावेज़।
- **दो उत्कृष्टता केंद्र (Centres of Excellence):** मंत्रिपरिषद ने भारत के दो प्रस्तावों को स्वीकृती दी —
- **आईओआरए डिजिटल इनोवेशन हब** — वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (CSIR-NIO), गोवा में।
- **आईओआरए समुद्री कानून उत्कृष्टता केंद्र** — राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (Rashtriya Raksha University), गुजरात में।
- **5 लाख डॉलर का अनुदान:** भारत ने संगठन की संस्थागत और वित्तीय क्षमता-निर्माण के लिए **500,000 डॉलर** की राशि देने की घोषणा की।
- **प्रधानमंत्री की मुलाकात:** 27 नवंबर को प्रधानमंत्री ने सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से भेंट की। उन्होंने हिंद महासागर द्वारा रचे गए सहस्राब्दियों पुराने ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया और कहा कि अध्यक्ष के रूप में भारत 'महासागर' विजन के साथ सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक है।

## महासागर विजन और भारत की भूमिका

- **MAHASAGAR** का अर्थ है — *Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions*, यानी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति। यह भारत के 'सागर' (SAGAR — Security and Growth for All in the Region) दृष्टिकोण का विस्तारित रूप माना जा सकता है, जिसका दायरा अधिक व्यापक है।
- हिंद महासागर विश्व व्यापार और ऊर्जा मार्गों का प्राणस्थल है; क्षेत्र की शांति और सुरक्षा से भारत के व्यापारिक, ऊर्जा और समुद्री हित सीधे जुड़े हैं।
- दो उत्कृष्टता केंद्रों से **डिजिटल नवाचार** और **समुद्री कानून** — दो ऐसे क्षेत्र जहाँ हिंद महासागर क्षेत्र की छोटी और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को क्षमता की ज़रूरत है — में भारत संस्थागत नेतृत्व देगा।
- आईओआरए भारत के अन्य क्षेत्रीय प्रयासों — क्वाड, कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव, द्विपक्षीय समुद्री साझेदारियों — के पूरक मंच के रूप में काम करता है, क्योंकि यह एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय समूह है जो हिंद महासागर के लगभग सभी तटीय देशों को एक मेज पर लाता है।

संबंधित लेख: **मनीला क्वाड शिखर सम्मेलन 2026: आर्थिक और समुद्री सुरक्षा पर सहयोग**

## आगे की राह

आईओआरए की **कार्ययोजना 2028-2032** को अंतिम रूप देना, दोनों उत्कृष्टता केंद्रों को क्रियान्वित करना और 'दिल्ली कम्युनिके 2026' की प्रतिबद्धताओं को समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था (blue economy), आपदा-सहनशीलता और क्षमता-निर्माण के ठोस कार्यक्रमों में बदलना अगला कदम होगा। भारत के लिए चुनौती और अवसर दोनों यह है कि अध्यक्षता की अवधि में घोषणाओं को परिणामों में ढाला जा सके।

## मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न 1. हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की 'महासागर' (MAHASAGAR) परिकल्पना और आईओआरए मंत्रिपरिषद की 25वीं बैठक के**

**परिणामों की चर्चा कीजिए। क्षेत्रीय सहयोग के लिए इससे क्या अर्थ निकलते हैं? (250 शब्द/15 अंक)**

उत्तर की रूपरेखा

**भूमिका में:** नई दिल्ली में 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक, भारत की अध्यक्षता और 'दिल्ली कम्युनिके 2026' का संदर्भ।

**मुख्य भाग में:** महासागर विजन का अर्थ और सागर (SAGAR) से निरंतरता; दो उत्कृष्टता केंद्र (CSIR-NIO गोवा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गुजरात) और 5 लाख डॉलर अनुदान से संस्थागत नेतृत्व; 23 सदस्य + 12 संवाद साझेदार का व्यापक मंच; हिंद महासागर के व्यापारिक-ऊर्जा महत्त्व से भारत के हित; क्वाड/कोलंबो कॉनक्लेव के साथ पूरकता।

**निष्कर्ष में:** घोषणाओं को कार्ययोजना 2028-2032 में ढालना ही असली परीक्षा; संतुलित, समावेशी क्षेत्रीय व्यवस्था की दिशा में भारत की जिम्मेदारी पर संतुलित टिप्पणी।

**प्रश्न 2. 'छोटे क्षेत्रीय समूहों के मुकाबले आईओआरए जैसे व्यापक क्षेत्रीय मंच भारत के हिंद महासागर हितों को अधिक उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं।' इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (250 शब्द/15 अंक)**

उत्तर की रूपरेखा

**भूमिका में:** आईओआरए की संरचना (1997, मॉरीशस सचिवालय, 23 सदस्य) और भारत की वर्तमान अध्यक्षता।

**मुख्य भाग में:** पक्ष — व्यापक सदस्यता, व्यापार-सुरक्षा-नीली अर्थव्यवस्था का समग्र एजेंडा, संस्थागत क्षमता-निर्माण; सीमाएँ — सदस्यों में विविधता, सहमति-आधारित निर्णय, कार्यान्वयन की गति; इसके मुकाबले क्वाड/कोलंबो कॉनक्लेव जैसे छोटे समूह तेज़ परिणाम दे सकते हैं; निष्कर्ष — दोनों स्तरों का संतुलन।

**निष्कर्ष में:** व्यापक मंच और छोटे समूह प्रतिस्पर्धी नहीं, पूरक हैं; भारत के लिए दोहरी रणनीति उपयुक्त।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

### प्रश्न 1. आईओआरए का सचिवालय कहाँ है और यह कब बना?

आईओआरए (इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन) की स्थापना 1997 में हुई थी और इसका सचिवालय मॉरीशस में है। भारत इसका संस्थापक सदस्य और वर्तमान अध्यक्ष है।

### प्रश्न 2. 'दिल्ली कम्युनिके 2026' क्या है?

यह आईओआरए मंत्रिपरिषद की 25वीं बैठक (नई दिल्ली) के समापन पर अपनाया गया साझा दस्तावेज़ है, जिसमें सदस्य देशों ने शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

### प्रश्न 3. भारत ने आईओआरए को कौन-सी संस्थागत सहायता दी है?

मंत्रिपरिषद ने भारत के दो उत्कृष्टता केंद्रों — गोवा में CSIR-NIO के साथ डिजिटल इनोवेशन हब और गुजरात के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में समुद्री कानून केंद्र — के प्रस्तावों को मंजूरी दी, और भारत ने संगठन की क्षमता-निर्माण के लिए 5 लाख डॉलर का अनुदान घोषित किया।

## स्रोत


1. प्रेस विज्ञप्ति: प्रधानमंत्री की आईओआरए विदेश मंत्रियों से मुलाकात — https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2342790&lang=1&reg=1
2. आईओआरए मंत्रिपरिषद की 25वीं बैठक और दिल्ली कम्युनिके 2026 (विदेश मंत्रालय के विवरण पर आकाशवाणी रिपोर्ट) — https://newsonair.gov.in/india-announces-500000-grant-for-indian-ocean-rim-association-institutions-capacity-building-adopts-delhi-communique-2026-for-peaceful-and-stable-indian-ocean/
3. आईओआरए आधिकारिक वेबसाइट — https://www.iora.int/en


PCSMANTRA.COM